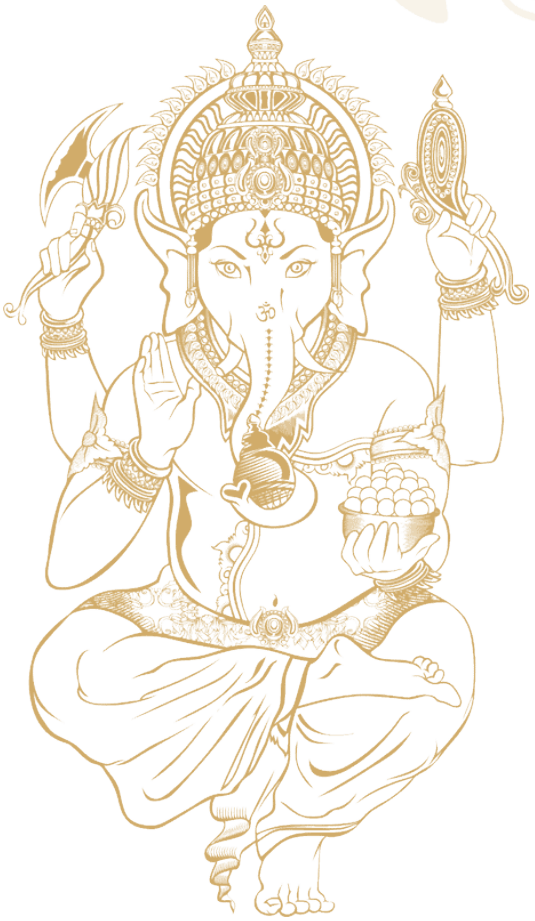

R

31 Dec 2025

04:28 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120778702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/12/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:28:00 घंटे**
इष्ट	23:05:06 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:06:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:00 घंटे
साम्पातिक काल	22:47:22 घंटे
सूर्योदय	07:13:57 घंटे
सूर्यास्त	17:34:41 घंटे
दिनमान	10:20:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:47:38 धनु
लग्न के अंश	01:39:00 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	साध्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उदय
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:39:00	337:41:24	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			धनु	15:47:38	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			वृष	04:23:02	14:53:07	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	धनु	18:03:02	00:45:57	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध			धनु	03:36:10	01:31:20	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मिथु	27:12:24	00:07:48	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	14:18:06	01:15:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			मीन	01:54:51	00:03:27	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:48:27	00:08:02	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:48:27	00:08:02	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:44:33	00:01:40	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:16:42	00:00:44	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:28:50	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	16:06:34	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:18

लग्न-चलित

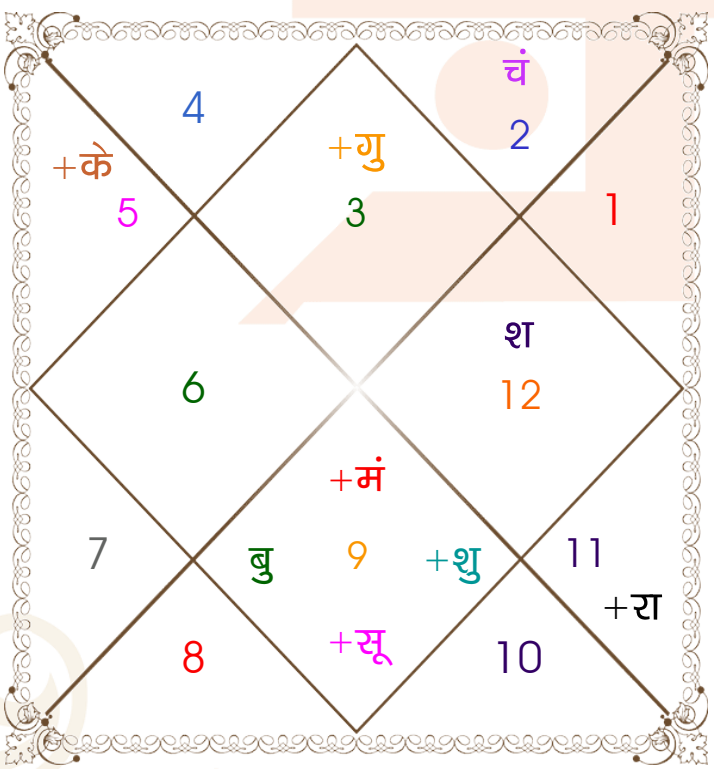

चन्द्र कुंडली

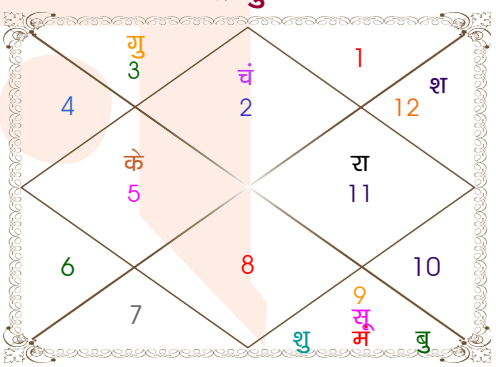

नवमांश कुंडली

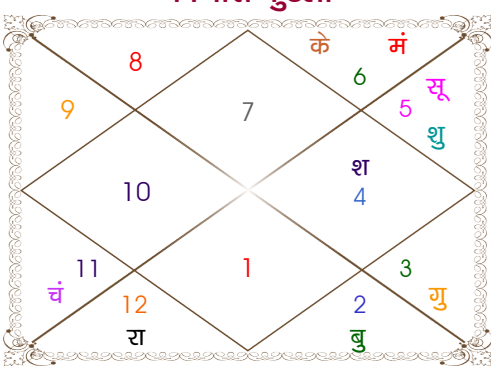

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 6 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
31/12/2025		11/07/2028		12/07/2038		12/07/2045		12/07/2063	
11/07/2028		12/07/2038		12/07/2045		12/07/2063		12/07/2079	
	00/00/0000	चंद्र	12/05/2029	मंगल	08/12/2038	राहु	24/03/2048	गुरु	29/08/2065
	00/00/0000	मंगल	11/12/2029	राहु	26/12/2039	गुरु	17/08/2050	शनि	12/03/2068
	00/00/0000	राहु	12/06/2031	गुरु	01/12/2040	शनि	23/06/2053	बुध	17/06/2070
	00/00/0000	गुरु	11/10/2032	शनि	10/01/2042	बुध	11/01/2056	केतु	24/05/2071
	31/12/2025	शनि	12/05/2034	बुध	07/01/2043	केतु	28/01/2057	शुक्र	22/01/2074
शनि	30/04/2026	बुध	11/10/2035	केतु	05/06/2043	शुक्र	29/01/2060	सूर्य	11/11/2074
बुध	06/03/2027	केतु	11/05/2036	शुक्र	05/08/2044	सूर्य	23/12/2060	चंद्र	12/03/2076
केतु	12/07/2027	शुक्र	10/01/2038	सूर्य	10/12/2044	चंद्र	24/06/2062	मंगल	15/02/2077
शुक्र	11/07/2028	सूर्य	12/07/2038	चंद्र	12/07/2045	मंगल	12/07/2063	राहु	12/07/2079

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/07/2079		12/07/2098		13/07/2115		13/07/2122		13/07/2142	
12/07/2098		13/07/2115		13/07/2122		13/07/2142		00/00/0000	
शनि	15/07/2082	बुध	08/12/2100	केतु	09/12/2115	शुक्र	11/11/2125	सूर्य	30/10/2142
बुध	24/03/2085	केतु	06/12/2101	शुक्र	07/02/2117	सूर्य	12/11/2126	चंद्र	01/05/2143
केतु	03/05/2086	शुक्र	05/10/2104	सूर्य	15/06/2117	चंद्र	12/07/2128	मंगल	06/09/2143
शुक्र	02/07/2089	सूर्य	12/08/2105	चंद्र	14/01/2118	मंगल	11/09/2129	राहु	31/07/2144
सूर्य	14/06/2090	चंद्र	11/01/2107	मंगल	12/06/2118	राहु	11/09/2132	गुरु	19/05/2145
चंद्र	14/01/2092	मंगल	09/01/2108	राहु	01/07/2119	गुरु	13/05/2135	शनि	01/01/2146
मंगल	22/02/2093	राहु	28/07/2110	गुरु	06/06/2120	शनि	13/07/2138		00/00/0000
राहु	29/12/2095	गुरु	02/11/2112	शनि	16/07/2121	बुध	13/05/2141		00/00/0000
गुरु	12/07/2098	शनि	13/07/2115	बुध	13/07/2122	केतु	13/07/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 6 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।